आछी पाई ओ गुरूसा म्हाने ज्ञान गुटकी भजन लिरिक्स

आछी पाई ओ गुरूसा,
म्हाने ज्ञान गुटकी,
ज्ञान गुटकी ओ शब्दों री गुटकी,
आच्छी पाई ओ गुरूसा,
म्हाने ज्ञान गुटकी।bd।

राम नाम री वाणी मैं तो,
पेला ही गिट गी,
सतगुरु हाथ धरिया सिर ऊपर,
चिन्ता मिट गी,
आच्छी पाई ओ गुरूसा,
म्हाने ज्ञान गुटकी।bd।

अनंत जन्म री भूल वासना,
भव भव में पटकी,
अब तो विरति अंतर लागी,
बायर से हटगी,
आच्छी पाई ओ गुरूसा,
म्हाने ज्ञान गुटकी।bd।

लख चौरासी पापों की मैं,
भरली मटकी,
सतगुरु दीन दया रा दाता,
मटकी ने पट की,
आच्छी पाई ओ गुरूसा,
म्हाने ज्ञान गुटकी।bd।

रामदास गुरु पूरा मिलिया,
दीवी सेन सत की,
समरथ राम सतगुरु सा रे शरणे,
चौरासी कटगी,
आच्छी पाई ओ गुरूसा,
म्हाने ज्ञान गुटकी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

आच्छी पाई ओ गुरूसा,
म्हाने ज्ञान गुटकी,
ज्ञान गुटकी ओ शब्दों री गुटकी,
आच्छी पाई ओ गुरूसा,
म्हाने ज्ञान गुटकी।bd।

स्वर – मोहनदासजी।
प्रेषक – रामेश्वर लाल पँवार।
आकाशवाणी सिंगर।
9785126052

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com